दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-९९ वा | बुधवार २५ फ़रवरी २०२६ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

महाराष्ट्र में दो वर्षों में ९३,९४० महिलाएं लापता

रिपोर्ट: जमीर काज़ी

मुंबई: महाराष्ट्र में पिछले दो वर्षों (२०२४ और २०२५) के दौरान कुल ९३,९४० महिलाओं के लापता होने की जानकारी सामने आई है। यह आंकड़े मंगलवार को राज्य विधानसभा में मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाले गृह विभाग की ओर से एक तारांकित प्रश्न के लिखित उत्तर में प्रस्तुत किए गए।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष २०२४ में राज्य में ४५,६६२ महिलाएं लापता हुईं, जिनमें से ३०,८७७ महिलाओं का पता लगाने में पुलिस को सफलता मिली। यह लगभग ६७.६ प्रतिशत की रिकवरी दर है।

वहीं वर्ष २०२५ में ४८,२७८ महिलाओं के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज हुई, जिनमें से ३६,५८१ महिलाओं को बरामद किया गया। इस वर्ष रिकवरी दर लगभग ७५.७ प्रतिशत रही।

दोनों वर्षों को मिलाकर कुल ९३,९४० महिलाएं लापता हुईं, जिनमें से ६७,४५८ महिलाओं का पुलिस ने पता लगाया है। कुल मिलाकर ७१.८ प्रतिशत की रिकवरी दर दर्ज की गई है।

अल्पवयीन लड़कियों की स्थिति

आंकड़ों के अनुसार, वर्ष २०२४ में ११,३१३ नाबालिग लड़कियां लापता हुईं, जिनमें से ८,४७५ को खोज लिया गया। रिकवरी दर ७४.९ प्रतिशत रही।

वर्ष २०२५ में १२,११३ नाबालिग लड़कियां लापता हुईं, जिनमें से १०,२९५ को बरामद किया गया। इस वर्ष रिकवरी दर ८४.९ प्रतिशत रही।

दो वर्षों में कुल २३,४२९ नाबालिग

लड़कियां लापता हुईं, जिनमें से १८,७७० को खोज लिया गया है। कुल रिकवरी दर ८०.१ प्रतिशत दर्ज की गई है।

१५ से १८ वर्ष आयु वर्ग के मामले

मुंबई, नवी मुंबई, रायगढ़, नागपुर और छत्रपति संभाजीनगर क्षेत्रों में २०२४-२५ के दौरान १५ से १८ वर्ष आयु वर्ग के ४,९८९ किशोर-किशोरियां लापता हुए। इनमें से ४,८१३ को ढूंढ लिया गया, जो लगभग ९६ प्रतिशत रिकवरी दर है।

'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत कार्रवाई

गृह विभाग की जानकारी के अनुसार, जुलाई २०१५ से दिसंबर २०२४ तक १३ चरणों में 'ऑपरेशन मुस्कान' चलाया गया, जिसके तहत ४१,१९३ नाबालिग बच्चों का पता लगाया गया। वर्तमान में १४वां चरण जारी है और १६ फरवरी तक १,४०१ नाबालिग (४५४ लड़के और ९४७ लड़कियां) को खोजा जा चुका है।

सरकार ने सदन में बताया कि लापता महिलाओं और बच्चों की तलाश के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं और संबंधित मामलों की निगरानी लगातार की जा रही है।

महावितरण में सौर ऊर्जा के नाम पर १२२ करोड़ का घोटाला

६ कंपनियों के खिलाफ मामला दर्ज

रिपोर्ट: जमीर काज़ी

मुंबई : महायुति सरकार और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विशेष ध्यान वाली महाराष्ट्र शासन की 'सौर कृषि ऊर्जा वाहिनी २.०' योजना के तहत १२२.८५ करोड़ रुपये के बैंक गारंटी घोटाले का मामला सामने आया है। विशेष बात यह है कि ऊर्जा विभाग, जिसकी जिम्मेदारी स्वयं मुख्यमंत्री के पास है, उसी विभाग में यह भ्रष्टाचार हुआ है। अधिकारियों और निजी कंपनियों की मिलीभगत से यह घोटाला किए जाने की जानकारी सामने आई है।

सौर ऊर्जा उत्पादन का ठेका पाने के लिए कुछ कंपनियों ने नकली बैंक गारंटी जमा कर महावितरण को धोखा दिया। इस मामले में मुंबई की आर्थिक अपराध शाखा (एजथ) ने केस दर्ज कर मुंबई सहित देश के विभिन्न शहरों में छापेमारी की है। पुलिस के अनुसार महावितरण विभाग के कुछ वरिष्ठ अधिकारी भी इस मामले में शामिल हैं।

ऐसे किया गया घोटाला

सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करने और बिजली खरीद समझौता (झझ-) करने के लिए कंपनियों को सुरक्षा राशि के रूप में बैंक गारंटी देना अनिवार्य होता है। आरोपी कंपनियों ने विभिन्न बैंकों की नकली मुहरें बनाकर फर्जी बैंक गारंटी तैयार कीं।

जब कंपनियां समय पर काम पूरा नहीं कर सकीं, तो महावितरण ने नियमों के अनुसार उनकी बैंक गारंटी भुनाने के लिए संबंधित बैंकों को भेजी। तब बैंकों ने स्पष्ट किया कि ये गारंटी उनकी ओर से जारी ही नहीं की गई थीं। इसके बाद पूरे घोटाले का खुलासा हुआ।

२० फरवरी को मामला दर्ज होने के बाद २१ फरवरी २०२६ को पुलिस ने देश के कई शहरों में बड़ी कार्रवाई की। मुंबई, ठाणे, नई दिल्ली, इंदौर, अहमदाबाद और राजकोट में एक साथ छापे मारकर दस्तावेजों की जांच की गई। इस घोटाले से शासन को कुल १२२.८५ करोड़ रुपये का सीधा आर्थिक नुकसान हुआ है।

फर्जीवाड़ा करने वाली कंपनियां (राशि करोड़ रुपये में)

मेसर्स नाकोफ एनर्जी और एनओपीएल प्रोजेक्ट्स - (४८.४५ करोड़)

मेसर्स इंटीग्रेशन इंडक्शन पावर लिमिटेड - हिंगोली और परभणी परियोजनाएं - (१३.६५ करोड़)

मेसर्स नाकोफ एनर्जी और एनओपीएल पेस ग्रीन - (४९.५० करोड़)मेसर्स ऑनिक्स रिन्यूएबल और ऑनिक्स आईपीपी - (११.२५ करोड़)

छह शहरों में एक साथ छापेमारी

आर्थिक अपराध शाखा ने छह शहरों में एक साथ कार्रवाई कर संबंधित कंपनियों और अधिकारियों के दस्तावेज जब्त किए हैं। मामले की आगे की जांच जारी है।

छत्रपती संभाजीनगर में मनपा शिक्षकों की समस्याओं को लेकर महापौर व विपक्ष के नेता को ज्ञापन

छत्रपती संभाजीनगर (औरंगाबाद:) छत्रपती संभाजीनगर महानगरपालिका की स्कूलों में ज्ञानदान का पवित्र कार्य कर रहे शिक्षकों को इन दिनों कई प्रशासनिक और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन मुद्दों के त्वरित समाधान की मांग को लेकर शिक्षकों के प्रतिनिधियों ने महापौर समीर सुभाष राजुरकर और विपक्ष के नेता अब्दुल समीर साजिद से मुलाकात कर विस्तृत चर्चा की तथा ज्ञापन सौंपा।

महाराष्ट्र राज्य जुनी पेंशन हक्क संघटना के राज्य प्रवक्ता तथा हैप्पी टू हेल्प फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष शेख अब्दुल रहीम सर ने नवनियुक्त विपक्ष नेता समीर साजिद बिल्डर का पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया। इस अवसर पर पुष्पगुच्छ के बजाय उन्हें पुस्तक, शाल, पेन और डायरी भेंट कर सम्मानित किया गया।

वेतन हर माह १ तारीख को देने की मांग

ज्ञापन में शिक्षकों ने स्पष्ट मांग रखी कि उनका वेतन प्रत्येक माह की १ तारीख को ही सुनिश्चित किया जाए। वेतन में हो रही देरी के पीछे के तकनीकी या प्रशासनिक कारणों की जांच कर इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।

'शालार्थ' प्रणाली में तकनीकी गड़बड़ी गंभीर

सबसे गंभीर मुद्दा 'शालार्थ' प्रणाली से जुड़ा बताया गया। कई शिक्षकों के नाम दूसरी स्कूलों में दर्शाए जा रहे हैं, जिससे 'निपुण महाराष्ट्र' और 'झ-ढ' परीक्षा जैसे शैक्षणिक पोर्टल पर भी दिक्कतें आ रही हैं। शिक्षकों ने इस तकनीकी त्रुटि को तत्काल सुधारने की मांग की है।

एकल शिक्षक स्कूलों की समस्या

जहां केवल एक ही शिक्षक कार्यरत है, ऐसी स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। शिक्षकों ने मांग की कि ऐसी प्रत्येक स्कूल में कम से कम दो शिक्षकों की ▶▶पान ४ पे

बीड शहर में बिजली सप्लाई ठीक रखें-ग्रुप लीडर खुर्शीद आलम

बिजली समस्या को लेकर तुतारी ग्रुप की चीफ इंजीनियर से मुलाकात

बीड (प्रतिनिधि)

बीड शहर के कई इलाकों में बिजली सप्लाई ठीक नहीं होने से अंधेरा छाया हुआ है। कई जगहों पर लाइट जाने और आने का कोई तय समय नहीं है, जिससे लोग बहुत परेशान हैं। महाराष्ट्र विद्युत मंडल के लापरवाही भरे कामकाज की वजह से नागरिकों को रोज दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। त्योहारों के समय भी बिजली सही तरीके से नहीं मिल पा रही है।

शहर के कई डी.पी. (डिस्ट्रिब्यूशन पैनल) के किटकैट फ्यूज टूट चुके हैं। कई जगहों पर बिजली के खंभे पुराने और सड़े हुए हैं, जो कभी भी गिर सकते हैं और बड़ा हादसा हो सकता है। कई स्थानों पर बिजली की तारें लटक रही हैं, जिससे जान का खतरा बना हुआ है।

कुछ इलाकों में बिजली के खंभे ही नहीं हैं, इसलिए लोगों को ४०० से ५०० फीट दूर से मीटर कनेक्शन लेना पड़ रहा है। आबादी के अनुसार डी.पी. कम होने से वोल्टेज ऊपर-नीचे होता ▶▶पान ४ पे

बीड ज़िले में बोर्ड परीक्षा : अनुशासन की अति या शिक्षा व्यवस्था की विफलता?

९०० से अधिक छात्र परीक्षा से अनुपस्थित क्यों?

वृत्त विशेष

काज़ी अमान

इस समय कक्षा दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं। बीड ज़िले में प्रशासन ने नकलमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए अभूतपूर्व सख्त कदम उठाए हैं। जिलाधिकारी विवेक जॉन्सन के आदेश पर सभी परीक्षा केंद्रों को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखा गया है। इसके साथ ही ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी परीक्षा केंद्रों पर नजर रखी जा रही है। प्रत्येक कक्षा के पर्यवेक्षकों को मोबाइल पर लगातार ज़ूम मीटिंग चालू रखने के निर्देश दिए गए हैं। यदि केंद्र के बाहर से नकल सामग्री उपलब्ध कराई जाती है तो संबंधित कक्षा के शिक्षक के विरुद्ध निलंबन और नोटिस की कार्रवाई करने की भूमिका प्रशासन ने स्पष्ट की है।

पुलिस बंदोबस्त, विभिन्न विभागों की उड़नदस्ते टीमें और मीडिया की मौजूदगी के कारण परीक्षा केंद्रों का वातावरण अत्यंत सख्त और तनावपूर्ण हो गया है। नकलमुक्त परीक्षा आवश्यक है, इसमें कोई दो मत नहीं। कुछ केंद्रों पर नकल की घटनाएं सामने आती रही हैं, जिन्हें रोकना केंद्र प्रमुख और कर्मचारियों की जिम्मेदारी है। साथ ही अभिभावकों की भी बड़ी भूमिका है।

सभी तंत्र 'परीक्षा मोड' में

दो माह की परीक्षा अवधि में राजस्व विभाग के तहसीलदार, मंडल अधिकारी, तलाठी, कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षा विभाग के शिक्षा अधिकारी, समूह शिक्षा अधिकारी, शिक्षा विस्तार अधिकारी तथा पंचायत समिति के कर्मचारी उड़नदस्तों में नियुक्त किए गए हैं।

प्रशासन की यह व्यापक सक्रियता नकल रोकने के उद्देश्य से है, किंतु प्रश्न यह उठता है कि यही तंत्र वर्षभर शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए कितना सक्रिय रहा?

तनावमुक्त या तनावग्रस्त?

परीक्षा विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होती है। लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में परीक्षा केंद्रों पर ऐसा वातावरण बन गया है मानो कोई गंभीर अपराध घटित हो रहा हो। कैमरों की निगरानी, ड्रोन की उड़ान और लगातार ऑनलाइन मॉनिटरिंग के कारण मेधावी छात्रों पर भी अनावश्यक मानसिक दबाव पड़ रहा है। कक्षाओं में ड्यूटी कर रहे शिक्षक भी तनाव में दिखाई दे रहे हैं।

विशेष रूप से चिंता का विषय यह है कि जिले में दसवीं बोर्ड परीक्षा में लगभग ९०० से अधिक छात्र अनुपस्थित रहे। इन छात्रों ने परीक्षा से दूरी क्यों बनाई? क्या इसका कारण भय, अपर्याप्त तैयारी, मानसिक तनाव या सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियां हैं? इस विषय पर गंभीरता से जांच की आवश्यकता है। ▶▶पान ४ पे

MED-EXCELLENCE CLASSES""Batches - "11th science (PCB)"12th science (PCB)" Repeaters (PCB).
Subjects- physics, chemistry, biology
*Ideal for NEET , state board , MH-CET & Nursing CET preparation. ""Adress??- Attar complex, near rashtravadi bhavan, beed."Contact- 8999114847

गुजरात में मौजूदा बीजेपी सरकार के खिलाफ माहौल राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस दौरे की वजह से काफी अहम है।

जैसे-जैसे गुजरात में नगर निगम चुनाव का माहौल तनावपूर्ण होता जा रहा है, नेताओं की स्थिति बदल रही है।

हबीब शेख
अहमदाबाद

गुजरात में लोकल बॉडी चुनावों का काउंटडाउन शुरू हो गया है। २०२७ में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले लिटमस टेस्ट होने वाला है, जिसके चलते इगझ, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी अभी से एक्टिव हो गई हैं। इस बीच, BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अहमदाबाद का दौरा कर रहे हैं, जबकि BJP सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने भी अहमदाबाद में कैंप लगाया है। इसके अलावा, राहुल गांधी की एक टीम गुजरात कांग्रेस की मौजूदा स्थिति का रिव्यू करने के लिए इस समय अहमदाबाद में है।

२०२७ के विधानसभा चुनावों से पहले लिटमस टेस्ट, BJP का लक्ष्य विपक्ष-मुक्त गुजरात इगझ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अहमदाबाद के तीन दिन के दौरे पर हैं। नितिन नवीन को कमलम में राज्य के नेताओं और पदाधिकारियों से मिलकर चुनावों में शामिल होने का निर्देश दिया गया है। उन्हें सोशल मीडिया पर भी एक्टिव होकर काम करने का आदेश दिया गया है। इस बार जब लोकल बॉडी इलेक्शन होने वाले हैं, तो इगझ ने विपक्ष-मुक्त गुजरात का लक्ष्य रखा है। हालांकि, अभी गुजरात में सरकार विरोधी माहौल है, जिसके चलते राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह दौरा भी एक शुभ संकेत माना जा रहा है।

इस दौरान आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी गुजरात का दौरा किया। केजरीवाल एक ऑर्गेनाइजेशनल प्रोग्राम और पब्लिक रिलेशन कैंपेन के तहत अहमदाबाद पहुंचे हैं। जैसे-जैसे क्षेत्रीय किसान नेता एक के बाद एक पार्टी छोड़ रहे हैं, उनकी चिंताएं बढ़ गई हैं, जिसे केजरीवाल ने खुद आगे बढ़ाया है। उन्होंने लोकल इलेक्शन में इगझ से लड़ने की स्ट्रैटेजी बनाई है।

इस बीच, कांग्रेस के आदिवासी नेता तुषार चौधरी दिल्ली पहुंच गए हैं। उन्होंने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। दोनों कांग्रेस नेताओं से चुनाव से जुड़ी चर्चा हुई है। इसके अलावा, राहुल गांधी के ऑफिस इंचार्ज और चझ शशिकांत सेंथिल, -खउउ टीम के सदस्य अहमदाबाद में रुके हैं। । जिला और शहर अध्यक्षों को पर्सनली बुलाकर काम की रिपोर्ट ली गई है। इसके साथ ही कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी के बारे में भी जानकारी इकट्ठा की गई है। दिल्ली हाईकमान को रिपोर्ट देने की तैयारी चल रही है। गुजरात में लोकल बॉडी इलेक्शन का काउंटडाउन शुरू हो गया है। २०२७ में होने वाले असेंबली इलेक्शन से पहले लिटमस टेस्ट होने वाला है, जिसके चलते इगझ, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी अभी से एक्टिव हो गई हैं। इस बीच, इगझ के नेशनल प्रेसिडेंट नितिन नवीन अहमदाबाद के दौरे पर आते रहे। वहीं --झ सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने भी अहमदाबाद में कैंप लगाया है। इसके अलावा, राहुल गांधी की एक टीम गुजरात कांग्रेस के मौजूदा हालात का रिव्यू करने के लिए इस समय अहमदाबाद में है। इगझ का गोल कॉन्ट्रोवर्सी-फ्री गुजरात है। इगझ के नेशनल प्रेसिडेंट नितिन नवीन तीन दिन के अहमदाबाद दौरे पर थे। नितिन नवीन को इगझ ऑफिस कमलम में राज्य के नेताओं और ऑफिस बेयरर्स से मिलकर इलेक्शन में शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं। उन्हें सोशल मीडिया पर भी एक्टिवली काम करने का आदेश दिया गया है। हालांकि, इस समय गुजरात में सरकार विरोधी माहौल है, जिसके चलते नेशनल प्रेसिडेंट का यह दौरा भी एक अच्छा संकेत माना जा रहा है। इस बीच, अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने भी गुजरात का दौरा किया। केजरीवाल एक ऑर्गनाइज़ेशनल प्रोग्राम और पब्लिक रिलेशन कैंपेन के तहत अहमदाबाद पहुंचे थे। जैसे-जैसे इलाके के किसान नेता एक के बाद एक पार्टी छोड़ रहे हैं, उनकी चिंताएं बढ़ गई हैं, जिसे केजरीवाल ने खुद आगे बढ़ाया है। उन्होंने लोकल इलेक्शन में इगझ से लड़ने की स्ट्रैटेजी बनाई है।

इस बीच, कांग्रेस के स्टेट लीडर अमित चावड़ा और असेंबली में लीडर ऑफ़ अपोज़िशन तुषार चौधरी दिल्ली पहुंचे थे। कांग्रेस के लोगों से पता चला कि उन्होंने किसी खास मुद्दे पर बात की थी।

विधायक को बिश्नोई गैंग से १० करोड़ की रंगदारी और जान से मारने की धमकी, वडेट्टीवार विधानसभा में आक्रामक

रिपोर्ट: जमीर काज़ी

मुंबई : अकोला पश्चिम से कांग्रेस विधायक साजिद खान पठान को बिश्नोई गैंग के नाम पर जान से मारने की धमकी दिए जाने और १० करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। यह चौंकाने वाली जानकारी विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने मंगलवार को विधानसभा में दी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वडेट्टीवार ने संबंधित विधायक को तत्काल कड़ी सुरक्षा देने की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने भी इस विषय को गंभीर मानते हुए सरकार को निर्देश दिए कि वह तुरंत मामले पर ध्यान दे और विधायक की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए।

वडेट्टीवार ने सदन को बताया कि १७ फरवरी को दोपहर ३:३० बजे साजिद खान पठान को एक अंतरराष्ट्रीय कॉल आया। बिश्नोई गैंग से जुड़े बताए जा रहे शुभम लोणकर ने फोन कर १० करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी और रकम न देने पर गोली मारकर हत्या करने की धमकी दी।

धमकी देने वाले ने कहा कि यदि पुलिस को बताया गया तो वे एक-दो महीने सुरक्षा देंगे, लेकिन छह महीने या एक साल बाद भी हम छोड़ेंगे नहीं और मार देंगे। इस तरह की भाषा में कांग्रेस विधायक पठान को धमकी दी गई।

जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा पर सवाल

वडेट्टीवार ने कहा कि यदि राज्य में जनप्रतिनिधि ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता की सुरक्षा का क्या होगा? जिस गैंग पर पहले भी गोलीबारी की घटनाओं में शामिल होने के आरोप हैं, उसकी ओर से धमकी मिलना अत्यंत गंभीर मामला है।

उन्होंने कहा कि धमकी का ऑडियो सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। साजिद पठान का किसी भी आपराधिक गतिविधि से कोई संबंध नहीं है, फिर भी उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

मामले को लेकर सदन में चिंता व्यक्त की गई और सरकार से त्वरित कार्रवाई की मांग की गई है।

ऐतिहासिक वंदना: १०२१ श्रद्धालुओं ने पूर्ण की शाश्वत सिद्धक्षेत्र श्री सम्मेद शिखरजी की पावन वंदना

सम्मेद शिखरजी(गिरिडीह):- वैभव कुमार जैन

पंचम काल में मोक्ष का द्वार कहे जाने वाले शाश्वत सिद्धक्षेत्र श्री सम्मेद शिखरजी की तलहटी आज भक्ति और उत्साह से सराबोर हो उठी। विद्या समय संस्कार सेवा फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस ऐतिहासिक यात्रा के १०३९ तीर्थयात्रियों में से १०२१ यात्रियों ने आज पूर्ण श्रद्धा के साथ पर्वतराज की निर्विघ्न वंदना संपन्न की।

पहली बार वंदना का गौरव

इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि ९५० से अधिक श्रद्धालुओं ने अपने जीवन में पहली बार शिखरजी की पावन माटी को स्पर्श किया और वंदना का पुण्य लाभ अर्जित किया। गुरुदेव आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महा मुनिराज की उस भावना को साकार किया गया जिसमें उन्होंने उन श्रावकों-श्राविकाओं को शिखरजी ले जाने की प्रेरणा दी थी जिन्होंने कभी इस महान सिद्ध क्षेत्र वंदना नहीं की। ध्यान देने वाली बात है कि इस यात्रा में लगभग १०० यात्री व्रती श्रावक हैं।

महिमा शाश्वत तीर्थ की

श्री सम्मेद शिखरजी वह पावन भूमि है जहाँ से इस युग के २४ में से २० तीर्थंकर भगवंतों और अनंत मुनिराजों ने मोक्ष प्राप्त किया है। जैन दर्शन के अनुसार, इस क्षेत्र के कण-कण में सिद्धों की ऊर्जा प्रवाहित है। यहाँ की एक बार की भावपूर्ण वंदना नरक और तिर्यंच गति के दुखों से मुक्ति दिलाने वाली मानी गई है।

संघपति परिवार का आभार

फाउंडेशन ने इस पूरी यात्रा के संघपति 'गुप्त दानदाता' श्रावक श्रेष्ठी परिवार के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया है। उनके इस अभूतपूर्व और उदार योगदान के कारण ही सैकड़ों परिवारों का शिखरजी वंदना का स्वप्न साकार हो सका है। संस्था ने उनके इस निःस्वार्थ धर्म प्रभावना के कार्य की भूरि-भूरि सराहना की।

निर्विघ्न व्यवस्था

फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, समर्पण भावना, सजगता और गुरुओं के आशीर्वाद से सभी यात्रियों की सुरक्षा और चर्या का पूर्ण ध्यान रखा गया। वंदना के पश्चात यात्रियों के चेहरों पर झलकता संतोष और भक्ति भाव इस यात्रा की सफलता की पुष्टि कर रहा था। श्री विद्या समय शिखरजी यात्रा २०२६ सभी गतिविधियाँ बहुत ही अनुशासित ढंग से चल रही हैं और तीर्थयात्रियों में अभूतपूर्व उल्लास और उमंग है। इस यात्रा के मुख्य संयोजक किरीट दोसी है

जमाअत की राष्ट्रीय सचिव श्रीमती रहमतुन्निसा ने महिलाओं और लड़कियों के लापता की खतरनाक बढ़ोतरी पर गहरी चिंता जताई

नई दिल्ली, २४ फरवरी २०२६।

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के महिला विभाग की राष्ट्रीय सचिव रहमतुन्निसा ए. ने मध्य प्रदेश विधानसभा में हुए इस चौंकाने वाले खुलासे पर गहरा दुख जताया है कि विगत छह वर्षों में राज्य में लापता हुई २,६९,५०० महिलाओं और लड़कियों में से ५०,००० से ज़्यादा का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

मीडिया को जारी एक बयान में रहमतुन्निसा ए. ने कहा, यह खुलासा कि ४८,००० से ज्यादा महिलाओं और २,२०० लड़कियों के पता-ठिकाने के अभाव के कारण बतौर 'पेंडिंग' टैग की गई हैं जो अत्यंत चिंताजनक है। हर आंकड़े के पीछे एक इंसान के रूप में एक बेटी, बहन और माँ, जिनकी गैरमौजूदगी हमारे सामाजिक और संस्थागत व्यवस्था में बड़ी खामियों को प्रकट करती है। यह गंभीर स्थिति गहरे संरचनात्मक लैंगिक अन्याय को दर्शाती है जो महिलाओं को तस्करी, शोषण और हिंसा का शिकार बनाती है। उन्होंने आगे कहा कि इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे शहरों में हज़ारों महिलाओं के लापता होने की रिपोर्ट शहरी सुरक्षा ऑडिट और जेंडर-सेंसिटिव पुलिसिंग की तुरंत आवश्यकता की ओर ध्यान आकर्षित करती है।

रहमतुन्निसा ए. ने मध्य प्रदेश विधानसभा में हुए इस चौंकाने वाले खुलासे पर गहरा दुख जताया है कि विगत छह वर्षों में राज्य में ए. ने कहा कि यह संकट केवल एक राज्य तक सिमित नहीं है। २०२३ के पूरे भारत के डेटा से पता चलता है कि हर साल लाखों महिलाएं और लड़कियां लापता हो जाती हैं जिनमें से लगभग आधे का पता नहीं चल पाता, और महिलाएं और किशोर सबसे ज़्यादा कमज़ोर तबके के होते हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और समान नागरिकता सुनिश्चित करना राज्य की संवैधानिक और नैतिक ज़िम्मेदारी है। उन्होंने कहा, सार्वजनिक सुरक्षा के लिए लगातार राजनीतिक इच्छाशक्ति, अंतर-विभागीय समन्वय, सामुदायिक सतर्कता और सामाजिक कल्याण प्रणाली में निवेश की ज़रूरत है, जो गरीबी, घरेलू हिंसा, असुरक्षित प्रवास और नौकरी के अवसर की कमी को दूर करे। उन्होंने कहा, कुरआन (४:१) कहता है: 'और उस गर्भ का सम्मान करो जिसने तुम्हें जन्म दिया।' यह दिव्य मार्गदर्शन समाज से जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं की पवित्रता, सम्मान और सुरक्षा को बनाए रखने का आह्वान करता है। उन्होंने आगे कहा कि इस्लामी शिक्षाओं में जीवन, सम्मान और पारिवारिक रिश्तों की सुरक्षा पर बहुत ज़ोर दिया जाता है, और महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा में कोई भी लापरवाही एक गंभीर नैतिक और सामाजिक चूक है।

रहमतुन्निसा ए. ने मध्य प्रदेश विधानसभा में हुए इस चौंकाने वाले खुलासे पर गहरा दुख जताया है कि विगत छह वर्षों में राज्य में ए. ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं और लड़कियों का गायब होना न सिर्फ़ कानून-व्यवस्था के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है, बल्कि उन नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों का भी गंभीर नुकसान है, जिन्होंने पारंपरिक रूप से भारतीय समाज में महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा को बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि सभी धार्मिक परंपराओं में हमेशा विनम्रता, महिलाओं के प्रति सम्मान, परिवार की पवित्रता और सामाजिक ज़िम्मेदारी पर ज़ोर दिया गया है। लेकिन, मीडिया और डिजिटल जगहों पर अश्लीलता, पोर्नोग्राफ़ी और महिलाओं के उत्पादवास्तु बनाए जाने के मानकीकरण ने एक ऐसा माहौल बनाया है जो नैतिक संयम को कमज़ोर करता है और समाज को महिलाओं की इज़्ज़त और सुरक्षा के प्रति असंवेदनशील बनाता है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए न सिर्फ़ मज़बूत कानून और पुलिसिंग की ज़रूरत है, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों को बनाए रखने, ज़िम्मेदार मीडिया प्रैक्टिस को बढ़ावा देने, परिवार और समुदाय के रिश्तों को मज़बूत करने और यह पक्का करने के लिए भी सचेत कोशिश की ज़रूरत है कि - फ़िज़िकल और डिजिटल दोनों सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षित, इज्ज़तदार और सम्मानजनक बनी रहें। जो समाज अपनी महिलाओं के सम्मान और इज्ज़त की रक्षा करने में नाकाम रहता है, वह अपनी नैतिक बुनियाद और सभ्यता की ताकत को कमज़ोर करने का जोखिम उठाता है।

जमाअत की राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि बिना किसी स्पष्ट समयरेखा या पारदर्शी सार्वजनिक रिपोर्टिंग प्रणाली के हज़ारों केस को 'पेंडिंग' बताना जवाबदेही की तुरंत ज़रूरत को दिखाता है। उन्होंने एक बड़े राष्ट्रीय कार्य योजना की मांग की जिसमें लैंगिक न्याय ढांचा, मज़बूत तस्करी विरोधी इकाई, बेहतर डेटा पारदर्शिता, सामयिक जांच और बचाई गई महिलाओं और लड़कियों के लिए पुनर्वास प्रणाली शामिल हों। उन्होंने सिविल सोसाइटी, धार्मिक संगठनों और कम्युनिटी लीडर्स से भी अपील की कि वे पब्लिक जगहों को सुरक्षित रखें और समाज के उन सख्त नियमों को चुनौती दें जो लापता महिलाओं के बारे में चुप्पी और बदनामी को बढ़ावा देते हैं।उन्होंने कहा, महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा पक्का करना एक न्यायपूर्ण, लोकतांत्रिक और दयालु भारत के विज़न का केंद्र है।

पान १ वरून

छत्रपती संभाजीनगर में मनपा शिक्षकों ...

नियुक्ति की जाए। साथ ही प्राथमिक पदवीधर शिक्षकों की लंबित पदोन्नति प्रक्रिया भी शीघ्र पूर्ण करने की मांग की गई।

शैक्षणिक सत्र के पहले दिन ही मिलें पाठ्यपुस्तकें

मनपा की माध्यमिक और बालवाड़ी स्कूलों के विद्यार्थियों को शैक्षणिक वर्ष के पहले दिन से ही पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उनका शैक्षणिक नुकसान न हो।

ज्ञापन की प्रतियां मनपा आयुक्त जी. श्रीकांत को भी सौंपी गई हैं। यदि प्रशासन द्वारा सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आगे आंदोलनात्मक कदम उठाने की चेतावनी भी शिक्षकों की ओर से दी गई है।

बीड ज़िले में बोर्ड परीक्षा...

मूलभूत सुविधाओं का प्रश्न अनुत्तरित

बीड ज़िले की कई शालाओं में आज भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। कहीं बिजली नहीं है, कहीं बैठने की उचित व्यवस्था नहीं, तो कहीं विद्यालय तक जाने के लिए सड़कें जर्जर हैं। ग्रामीण और शहरी विद्यालयों के बीच सुविधाओं की स्पष्ट खाई दिखाई देती है।

कई शिक्षक पद सेवानिवृत्ति के बाद रिक्त हैं और नई भर्तियां नहीं होने से छात्रों को सभी विषयों की नियमित शिक्षा नहीं मिल पा रही। ऐसे में परीक्षा के दौरान कठोर नियंत्रण रखने के बजाय वर्षभर शैक्षणिक गुणवत्ता और बुनियादी ढांचे में सुधार पर ध्यान देना अधिक प्रभावी हो सकता था।

मराठी स्कूलों के अस्तित्व का प्रश्न

निजी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों को बढ़ते प्रोत्साहन के कारण मराठी माध्यम की शालाएं बंद होने की कगार पर हैं। यदि सरकारी विद्यालयों को आवश्यक सुविधाएं, समय पर शिक्षक भर्ती और शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए जाते, तो विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता। परीक्षा काल में कठोर कार्रवाई की बजाय वर्षभर सकारात्मक शैक्षणिक हस्तक्षेप अधिक लाभकारी होता, ऐसी भावना व्यक्त की जा रही है।

प्रतियोगी परीक्षाओं पर प्रभाव?

दसवीं और बारहवीं के कई छात्र आगे चलकर जेईई, नीट और सीईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। वर्तमान तनावपूर्ण वातावरण का उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा, इस पर भी विचार आवश्यक है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए परामर्श और आवश्यक जांच की व्यवस्था किए जाने की मांग उठ रही है।

जिम्मेदारी की दिशा

नकल रोकना और परीक्षा को पारदर्शी रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। परंतु यदि अनुशासन की अति विद्यार्थियों के मन में भय उत्पन्न कर रही है, तो नीति पर पुनर्विचार आवश्यक है। शिक्षा केवल परीक्षा केंद्रित प्रक्रिया नहीं, बल्कि वर्षभर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है।

९०० से अधिक छात्रों का अनुपस्थित रहना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है।

जिलाधिकारी विवेक जॉन्सन, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जितीन रहमान, शिक्षा अधिकारी प्रियाराणी पाटील तथा संबंधित विभागों को इस स्थिति का आत्ममंथन करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता, बुनियादी सुविधाएं, शिक्षक भर्ती और विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर ठोस कार्ययोजना घोषित करनी चाहिए।

परीक्षाएं अनुशासित हों, परंतु वे छात्रों के लिए भय का केंद्र नहीं, बल्कि आत्मविश्वास का मंच बनें - यही समय की मांग है।

बीड शहर में बिजली सप्लाई ...

रहता है, जिससे इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रॉनिक सामान जल जाता है। पुरानी तारें भी कभी टूटकर गिर सकती हैं, जिससे गंभीर दुर्घटना हो सकती है।

इन सभी शिकायतों को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) के ग्रुप लीडर खुर्शीद आलम के नेतृत्व में नगरसेवकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र विद्युत वितरण कंपनी के चीफ इंजीनियर से मुलाकात की।

चीफ इंजीनियर ने इन समस्याओं पर विशेष ध्यान देकर जल्द काम शुरू करने का आश्वासन दिया है।

इस मौके पर खुर्शीद आलम, भारत कांबळे, अथहर भाई, जाधव साहब, अय्यूब खान, शेख अफसर, मसूद खान, रईस भाई, मसी मोमीन, उल्हास ग्राम, पिंगळे साहब, काले साहब और विधायक संदीप भैया क्षीरसागर के पीए चौरे साहब मौजूद थे।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com